शिव शंकर भोलेनाथ मत रोग बुढ़ापे में दीजो

शिव शंकर भोलेनाथ हो नाथ मत रोग बुढ़ापे में दीजो,
मत रोग बुढ़ापे में दीजो, मत रोग बुढ़ापे में दीजो,
शिव शंकर भोलेनाथ हो नाथ मत रोग बुढ़ापे में दीजो॥

बेटा देना तो ऐसा देना,
जामें श्रवण जैसा ज्ञान मत रोग बुढ़ापे में दीजो,
शिव शंकर भोलेनाथ हो नाथ मत रोग बुढ़ापे में दीजो॥

बहू देना तो ऐसी देना,
जामें तुलसी जैसा ज्ञान मत रोक बुढ़ापे में दीजो,
शिव शंकर भोलेनाथ हो नाथ मत रोग बुढ़ापे में दीजो॥

बेटी देना तो ऐसी देना,
जामें मीरा जैसा ज्ञान मत रो बुढ़ापे में दीजो,
शिव शंकर भोलेनाथ हो नाथ मत रोग बुढ़ापे में दीजो॥

पोता देना तो ऐसा देना,
जामें कृष्ण जैसा ज्ञान मत रोग बुढ़ापे में दीजो,
शिव शंकर भोलेनाथ हो नाथ मत रोग बुढ़ापे में दीजो॥

पोती देना तो ऐसी देना,
जिसका देवी जैसा रूप मत रोग बुढ़ापे में दीजो,
शिव शंकर भोलेनाथ हो नाथ मत रोग बुढ़ापे में दीजो॥

बुढ़ापा देना तो ऐसा देना,
तेरा भजन करूं दिन रात मत रोग बुढ़ापे में दीजो,
शिव शंकर भोलेनाथ हो नाथ मत रोग बुढ़ापे में दीजो॥

https://visualasterisk.com/bhajan/lyrics/id/25293/title/shiv-shankar-bholenaath-mat-rog-budape-me-dijo

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |